TILES be pleased to state:

(a) whether Government have received reports regarding sale of canvas and other matrials from Kanpur Mills of NTC in an irregular way and/or beyond the normal selling norms;

(b) whether the matter was referred to an investigating agency for fixing the charges against officers and members of Board of Directors;

(c) if so, what are the details thereof;

(d) how many officers have been so charged for their involvement in the case; and

(e) what further action is being contemplated?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI S. KRISHNA KUMAR): (a) Yes, Sir.

(b) to (e) The matter regarding sale of canvas was investigated by the CBI who have registered a case against 8 officers including Director (Commercial) of NTC (UP).

Rail corridor facility through Bangladesh territory to link West Bengal with the North Eastern Region

383. SHRI V. GOPALSAMY:
SHRI K. GOPALAN:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether India has renewed its proposal to have a rail corridor facility through Bangladesh territory to link West Bengal with the North Eastern Region; and

(b) if so, what is the reaction of Bangladesh Government thereto?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) Yes, Sir.

(b) The subject is still being considered.

Karakoram Highway

384. SHRI V. GOPALSAMY:
SHRI T. R. BALU:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Chinese are making many improvements in Karakoram Highway; and

(b) what steps Government have taken in view of India's security environment?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI K. NATWAR SINGH): (a) The Chinese News Agency, Xinhua, reported on the 12-4-87 that the 450 km section of the Karakoram Highway between the Khunjerab Pass and Kashgar was being reconstructed by China to improve traffic conditions and facilitate the exchange of tourists. According to this report, the construction work started last year and would be completed by the end of 1988.

(b) Government takes all appropriate steps for ensuring India's security.

हिन्दी कार्यक्रम का कार्यान्वयन

385. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मंत्रालय के अधीन ऐसे कौन-कौन से उपक्रम हैं जिनसे हिन्दी के प्रयोग के संबंध में अद्यतन तिमाही प्रतिवेदन प्राप्त हो गये हैं तथा कौन कौन से उपक्रमों से प्रतिवेदन प्राप्त नहीं हुये हैं ;

(ख) कौन-कौन से उपक्रमों ने वार्षिक कार्यक्रमों को पूर्णतया पूरा कर दिया है ; और कौन-कौन से उपक्रमों ने उसे अधूरा पूरा किया है तथा कौन-कौन से उपक्रम

अभी इस कार्यक्रम को प्रारम्भ कर रहे हैं ; और

(ग) इन सभी उपक्रमों के वार्षिक कार्यक्रमों में विनिर्दिष्ट लक्ष्यों के अनुसार हिन्दी संवर्ग के सृजन, यांत्रिक सुविधा, धारा 3(3) के पालन, धारा 10(4) तथा 8(4) के अधीन अधिसूचनाओं के जारी किये जाने तथा पुस्तकालयों के लिए हिन्दी की पुस्तकें, अखबार तथा पत्र पत्रिकाओं की खरीददारी के संबंध में पृथक पृथक रूप से क्या स्थिति है ?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) जहां तक हिन्दी के प्रयोग के संबंध में अद्यतन तिमाही प्रगति रिपोर्ट (31 दिसम्बर, 1986 को समाप्त तिमाही) का संबंध है, स्थिति निम्नांकित प्रकार है :—

उपक्रम जिनसे रिपोर्ट प्राप्त हो गई है :

1. राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली ।
2. राष्ट्रीय पटसन विनिर्माण निगम, कलकत्ता ।
3. केन्द्रीय कुटीर उद्योग निगम, नई दिल्ली ।
4. ब्रिटिश इण्डिया कारपोरेशन, कानपुर ।
5. भारतीय कपास निगम, बम्बई ।

उपक्रम जिनसे रिपोर्ट प्रतीक्षित हैं :

1. भारतीय पटसन निगम, कलकत्ता ।
2. हस्तशिल्प तथा हथकरघा निर्यात निगम, नई दिल्ली ।
3. उत्तर-पूर्वी हस्तशिल्प तथा हथकरघा विकास निगम, शिलांग ।
4. राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, लखनऊ ।

(ख) वार्षिक कार्यक्रम, 1986-87 की प्रतियां मंत्रालय के अधीन सभी उपक्रमों को इस अनुरोध के साथ भेज दी गई थीं कि वे इस कार्यक्रम को पूरा करें । वार्षिक हिन्दी कार्यक्रम का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उपक्रमों द्वारा सभी प्रयास किये जा रहे हैं ।

(ग) स्थिति निम्नोक्त प्रकार है :

हिन्दी संवर्ग का सृजन

अधिकांश उपक्रमों में हिन्दी का कार्य देखने के लिए पर्याप्त हिन्दी स्टाफ है । तथापि, यह सुनिश्चित करने के प्रयास जारी हैं कि मंत्रालय के प्रत्येक उपक्रम में आवश्यक हिन्दी स्टाफ की व्यवस्था हो जाए ।

यांत्रिक सुविधाएं

उत्तर-पूर्वी हस्तशिल्प तथा हथकरघा विकास निगम, शिलांग को छोड़कर सभी उपक्रमों ने हिन्दी टाईपराइटरों की व्यवस्था कर ली है और उनसे यह भी अनुरोध किया गया है कि वे द्विभाषी रूप में अन्य आवश्यक यांत्रिक सुविधाओं की व्यवस्था करें ।

धारा 3(3) का अनुपालन :

निम्नलिखित कार्यालयों में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का पूर्ण अनुपालन हो रहा है :—

(1) राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली ।

(2) भारतीय पटसन निगम, कलकत्ता ।

(3) राष्ट्रीय पटसन विनिर्माण निगम, कलकत्ता ।

(4) ब्रिटिश इण्डिया कारपोरेशन लि०, कानपुर ।

(5) भारतीय कपास निगम, बम्बई ।

जिन कार्यालयों में राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) का अनुपालन पूर्ण रूप से नहीं हो रहा है, वे निम्नलिखित हैं :—

(1) हस्तशिल्प तथा हथकरघा निर्यात निगम लि०, नई दिल्ली ।

(2) उत्तर-पूर्वी हस्तशिल्प तथा हथकरघा विकास निगम, शिलांग ।

(3) राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, लखनऊ ।

(4) केन्द्रीय कुटीर उद्योग निगम, नई दिल्ली ।

धारा 10(4) तथा 8(4) :

संभवतः माननीय सदस्य का अभिप्राय राजभाषा नियम, 1976 के नियम 10(4) और नियम 8(4) से है। जहां तक नियम 10(4) के अधीन उपक्रमों के अधिसूचित किये जाने का संबंध है, राजभाषा नियमों के नियम 10(4) के अधीन निम्नलिखित को छोड़कर सभी उपक्रम अधिसूचित किये जा चुके हैं :—

(1) राष्ट्रीय हथकरघा विकास निगम, लखनऊ ।

(2) उत्तर-पूर्वी हस्तशिल्प तथा हथकरघा विकास निगम, शिलांग ।

इस मंत्रालय में नियंत्रण के अधीन उपक्रमों को अनुदेश दिए गए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि नियम 8(4) के अनुसार ऐसे अधिकारी/कर्मचारी, जिन्हें हिन्दी में प्रवीणता प्राप्त है, नोटिंग व ड्राफ्टिंग में हिन्दी का प्रयोग करें ।

पुस्तकों आदि की खरीद :

निम्नलिखित उपक्रमों ने वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार अपने पुस्तकालयों के लिए हिन्दी पुस्तकों, समाचारपत्रों और पत्रिकाओं की व्यवस्था कर ली है :—

(1) राष्ट्रीय वस्त्र निगम, नई दिल्ली ।

(2) भारतीय कपास निगम बम्बई ।

(3) ब्रिटिश इण्डिया कारपोरेशन लि०, कानपुर ।

(4) राष्ट्रीय पटसन विनिर्माण निगम, कलकत्ता ।

(5) केन्द्रीय कुटीर उद्योग निगम, नई दिल्ली ।

अन्य उपक्रमों से भी इस संबंध में कदम उठाने का अनुरोध किया गया है।

Insult to National Flag in the Golden Temple complex

386. SRHI LAL K. ADVANI:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that on the 26th January, 1987 pro-Khalistan slogans were raised and national tricolour flag was torn in the Golden Temple complex in Amritsar;

(b) if so, the number of persons involved; and

(c) how many of them have been apprehended and are being prosecuted?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (c) According to the information furnished by the Government of Punjab two cases have been registered in connection with such objectionable activities by some persons in the Golden Temple Complex on 26th January, 1987. No arrest has been made so far.